



# Dig Vijay Singh Chauhan

07 Apr 1998

11:21 PM

Simla

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121843502

पुल्लिंग : \_\_\_\_\_ लिंग \_\_\_\_\_ : पुल्लिंग  
**07/04/1998** : \_\_\_\_\_ जन्म तिथि \_\_\_\_\_ : **7-08/04/2026**  
 मंगलवार : \_\_\_\_\_ दिन \_\_\_\_\_ : मंगल-बुधवार  
 घंटे 23:21:00 : \_\_\_\_\_ जन्म समय \_\_\_\_\_ : 03:53:15 घंटे  
 घटी 43:13:18 : \_\_\_\_\_ जन्म समय(घटी) \_\_\_\_\_ : 54:34:35 घटी  
 India : \_\_\_\_\_ देश \_\_\_\_\_ : India  
 Simla : \_\_\_\_\_ स्थान \_\_\_\_\_ : Simla  
 उत्तर 31:06:00 : \_\_\_\_\_ अक्षांश \_\_\_\_\_ : 31:06:00 उत्तर  
 पूर्व 77:10:00 : \_\_\_\_\_ रेखांश \_\_\_\_\_ : 77:10:00 पूर्व  
 पूर्व 82:30:00 : \_\_\_\_\_ मध्य रेखांश \_\_\_\_\_ : 82:30:00 पूर्व  
 घंटे -00:21:20 : \_\_\_\_\_ स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_ : -00:21:20 घंटे  
 घंटे 00:00:00 : \_\_\_\_\_ ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_ : 00:00:00 घंटे  
 06:03:40 : \_\_\_\_\_ सूर्योदय \_\_\_\_\_ : 06:03:25  
 18:43:21 : \_\_\_\_\_ सूर्यास्त \_\_\_\_\_ : 18:44:08  
 23:49:51 : \_\_\_\_\_ चित्रपक्षीय अयनांश \_\_\_\_\_ : 24:13:32  
 वृश्चिक : \_\_\_\_\_ लग्न \_\_\_\_\_ : कुम्भ  
 मंगल : \_\_\_\_\_ लग्न लग्नाधिपति \_\_\_\_\_ : शनि  
 सिंह : \_\_\_\_\_ राशि \_\_\_\_\_ : वृश्चिक  
 सूर्य : \_\_\_\_\_ राशि-स्वामी \_\_\_\_\_ : मंगल  
 मघा : \_\_\_\_\_ नक्षत्र \_\_\_\_\_ : ज्येष्ठा  
 केतु : \_\_\_\_\_ नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_ : बुध  
 3 : \_\_\_\_\_ चरण \_\_\_\_\_ : 4  
 गण्ड : \_\_\_\_\_ योग \_\_\_\_\_ : वरियान  
 बव : \_\_\_\_\_ करण \_\_\_\_\_ : गर  
 मू-मुकेश : \_\_\_\_\_ जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_ : यू-युक्ता  
 मेष : \_\_\_\_\_ सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_ : मेष  
 क्षत्रिय : \_\_\_\_\_ वर्ण \_\_\_\_\_ : विप्र  
 वनचर : \_\_\_\_\_ वश्य \_\_\_\_\_ : कीटक  
 मूषक : \_\_\_\_\_ योनि \_\_\_\_\_ : मृग  
 राक्षस : \_\_\_\_\_ गण \_\_\_\_\_ : राक्षस  
 अन्त्य : \_\_\_\_\_ नाडी \_\_\_\_\_ : आद्य  
 मूषक : \_\_\_\_\_ वर्ग \_\_\_\_\_ : मृग  
 28 : \_\_\_\_\_ गत/तत्कालिक वर्ष \_\_\_\_\_ : 29

## जन्म - विवरण

## वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
ज्येष्ठा	2	23:17:53	वृश्चि			लग्न			कुंभ	05:51:33	4	धनिष्ठा
रेवती	3	23:52:45	मीन			सूर्य			मीन	23:52:45	3	रेवती
मघा	3	08:22:44	सिंह			चंद्र			वृश्चि	29:00:26	4	ज्येष्ठा
अश्विनी	1	02:11:51	मेष	अ		मंगल	अ		मीन	04:18:24	1	उ०भाद्रपद
रेवती	2	22:00:34	मीन	व	अ	बुध			कुंभ	26:29:20	2	पू०भाद्रपद
पू०भाद्रपद	1	20:51:53	कुंभ			गुरु			मिथु	22:04:30	1	पुनर्वसु
शतभिषा	1	07:44:30	कुंभ			शुक्र			मेष	15:56:13	1	भरणी
रेवती	4	28:47:18	मीन	अ		शनि	अ		मीन	12:10:51	3	उ०भाद्रपद
पू०फाल्गुनी	1	16:18:50	सिंह			राहु	व		कुंभ	13:54:54	3	शतभिषा
शतभिषा	3	16:18:50	कुंभ			केतु	व		सिंह	13:54:54	1	पू०फाल्गुनी
श्रवण	3	18:16:01	मक			मु	प		मीन	23:17:53	2	रेवती

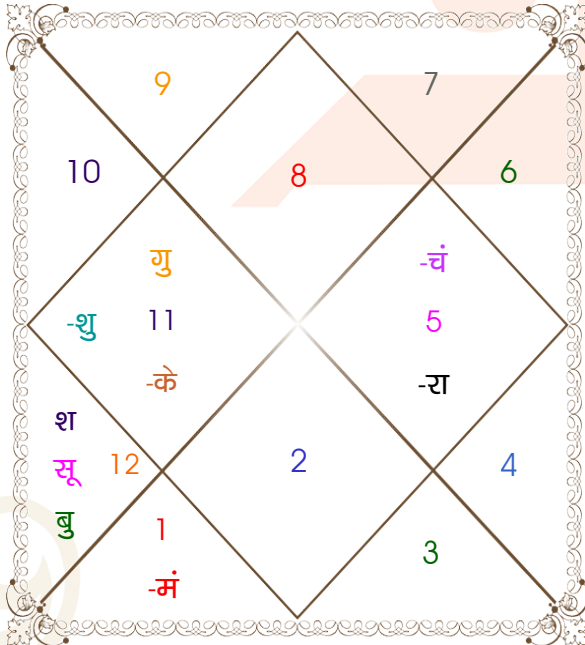
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

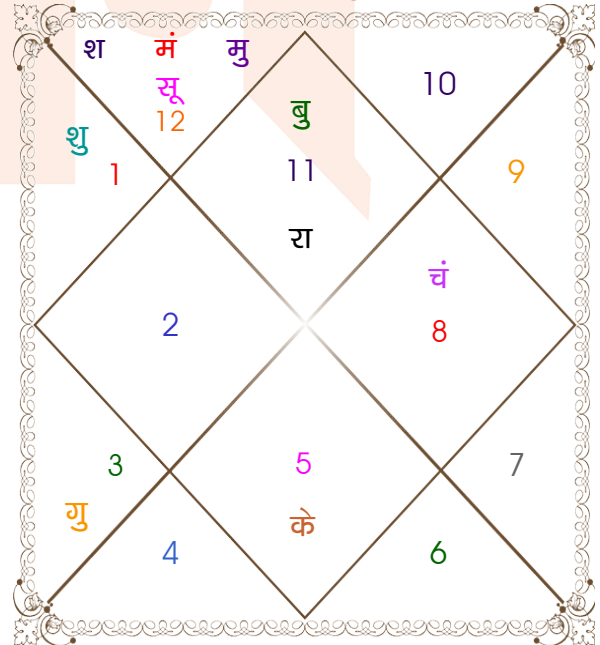
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:32

### लग्न-चलित



### वर्ष लग्न कुंडली



## विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

<b>सूर्य - शुक्र - राहु</b> 24/03/2026 03:57 17/05/2026 22:51	<b>सूर्य - शुक्र - गुरु</b> 17/05/2026 22:51 05/07/2026 15:39	<b>सूर्य - शुक्र - शनि</b> 05/07/2026 15:39 01/09/2026 11:36	<b>सूर्य - शुक्र - बुध</b> 01/09/2026 11:36 23/10/2026 05:27
राहु 01/04/2026 09:11 गुरु 08/04/2026 16:30 शनि 17/04/2026 08:42 बुध 25/04/2026 02:58 केतु 28/04/2026 07:40 शुक्र 07/05/2026 10:49 सूर्य 10/05/2026 04:34 चंद्र 14/05/2026 18:09 मंगल 17/05/2026 22:51	गुरु 24/05/2026 10:41 शनि 01/06/2026 03:45 बुध 08/06/2026 01:19 केतु 10/06/2026 21:30 शुक्र 19/06/2026 00:18 सूर्य 21/06/2026 10:45 चंद्र 25/06/2026 12:09 मंगल 28/06/2026 08:19 राहु 05/07/2026 15:39	शनि 14/07/2026 19:24 बुध 23/07/2026 00:02 केतु 26/07/2026 09:00 शुक्र 05/08/2026 00:19 सूर्य 07/08/2026 21:43 चंद्र 12/08/2026 17:23 मंगल 16/08/2026 02:21 राहु 24/08/2026 18:32 गुरु 01/09/2026 11:36	बुध 08/09/2026 19:31 केतु 11/09/2026 19:58 शुक्र 20/09/2026 10:56 सूर्य 23/09/2026 01:02 चंद्र 27/09/2026 08:31 मंगल 30/09/2026 08:58 राहु 08/10/2026 03:14 गुरु 15/10/2026 00:49 शनि 23/10/2026 05:27
<b>सूर्य - शुक्र - केतु</b> 23/10/2026 05:27 13/11/2026 12:48	<b>चंद्र - चंद्र - चंद्र</b> 13/11/2026 12:48 08/12/2026 21:33	<b>चंद्र - चंद्र - मंगल</b> 08/12/2026 21:33 26/12/2026 15:40	<b>चंद्र - चंद्र - राहु</b> 26/12/2026 15:40 10/02/2027 07:25
केतु 24/10/2026 11:16 शुक्र 28/10/2026 00:30 सूर्य 29/10/2026 02:04 चंद्र 30/10/2026 20:41 मंगल 01/11/2026 02:30 राहु 04/11/2026 07:13 गुरु 07/11/2026 03:23 शनि 10/11/2026 12:21 बुध 13/11/2026 12:48	चंद्र 15/11/2026 15:31 मंगल 17/11/2026 03:02 राहु 20/11/2026 22:21 गुरु 24/11/2026 07:31 शनि 28/11/2026 07:54 बुध 01/12/2026 22:08 केतु 03/12/2026 09:39 शुक्र 07/12/2026 15:06 सूर्य 08/12/2026 21:33	मंगल 09/12/2026 22:24 राहु 12/12/2026 14:19 गुरु 14/12/2026 23:08 शनि 17/12/2026 18:36 बुध 20/12/2026 06:58 केतु 21/12/2026 07:50 शुक्र 24/12/2026 06:51 सूर्य 25/12/2026 04:10 चंद्र 26/12/2026 15:40	राहु 02/01/2027 12:02 गुरु 08/01/2027 14:08 शनि 15/01/2027 19:38 बुध 22/01/2027 06:51 केतु 24/01/2027 22:47 शुक्र 01/02/2027 13:24 सूर्य 03/02/2027 20:11 चंद्र 07/02/2027 15:30 मंगल 10/02/2027 07:25
<b>चंद्र - चंद्र - गुरु</b> 10/02/2027 07:25 22/03/2027 21:25	<b>चंद्र - चंद्र - शनि</b> 22/03/2027 21:25 10/05/2027 02:03	<b>चंद्र - चंद्र - बुध</b> 10/05/2027 02:03 22/06/2027 04:55	<b>चंद्र - चंद्र - केतु</b> 22/06/2027 04:55 09/07/2027 23:03
गुरु 15/02/2027 17:17 शनि 22/02/2027 03:30 बुध 27/02/2027 21:29 केतु 02/03/2027 06:18 शुक्र 09/03/2027 00:38 सूर्य 11/03/2027 01:20 चंद्र 14/03/2027 10:30 मंगल 16/03/2027 19:19 राहु 22/03/2027 21:25	शनि 30/03/2027 12:33 बुध 06/04/2027 08:24 केतु 09/04/2027 03:53 शुक्र 17/04/2027 04:39 सूर्य 19/04/2027 14:29 चंद्र 23/04/2027 14:52 मंगल 26/04/2027 10:20 राहु 03/05/2027 15:50 गुरु 10/05/2027 02:03	बुध 16/05/2027 04:39 केतु 18/05/2027 17:01 शुक्र 25/05/2027 21:30 सूर्य 28/05/2027 01:15 चंद्र 31/05/2027 15:29 मंगल 03/06/2027 03:51 राहु 09/06/2027 15:05 गुरु 15/06/2027 09:04 शनि 22/06/2027 04:55	केतु 23/06/2027 05:47 शुक्र 26/06/2027 04:48 सूर्य 27/06/2027 02:06 चंद्र 28/06/2027 13:37 मंगल 29/06/2027 14:28 राहु 02/07/2027 06:23 गुरु 04/07/2027 15:12 शनि 07/07/2027 10:41 बुध 09/07/2027 23:03

## अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।  
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ॥

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।  
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा मानसिक रूप से आप कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य ही रहेगी तथा उद्विग्नता एवं चंचलता का भाव भी विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय मध्यम रहेगी तथा पारिवारिक जनों से सामान्य सहयोग मिलता रहेगा। संतति पक्ष से भी आप सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। ज्ञानार्जन में इस समय आपकी पूर्ण रुचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक विभिन्न शास्त्रों का अध्ययन करने या वैज्ञानिक शोध कार्य के प्रति आपका विशेष ध्यान रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में सामान्य श्रद्धा रहेगी तथा अवसरानुकूल आप धार्मिक कार्यों को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क या तीर्थ यात्रा की भी संभावना रहेगी। इस समय आपके कार्य बुद्धिमत्ता तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा लोग आप पर काफी विश्वास रखेंगे जिससे सामाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए समय मध्यम रहेगा तथा परिश्रम एवं संघर्ष से आपको सफलता मिलेगी। साथ ही लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी उन्नति होगी परन्तु इस समय आप आवास या स्थान संबन्धी परिवर्तन भी कर सकते हैं। शत्रु या विरोधी पक्ष भी यद्यपि समस्याएं उत्पन्न करेंगे परन्तु अन्त में उन पर विजय प्राप्त करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय सामान्यतया अच्छी रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। साथ ही अल्प मात्रा में कोई विशेष लाभ भी हो सकता है। अतः यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया शुभ रहेगा तथापि परिश्रम से ही कार्यों कलापों में सिद्धि प्राप्त हो सकेगी।

## अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्धिहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।  
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_\*\_

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप की स्वस्थता बनी रहेगी। साथ ही मानसिक रूप से भी आप शान्ति तथा प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इस समय आप में उत्साह के भाव की प्रबलता रहेगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य उत्साह एवं परिश्रम से ही सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा फलतः सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको उचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। बन्धुवर्ग से भी इस वर्ष आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा उनसे लाभ भी मिलेगा। मिष्टान्न के प्रति इस समय आपकी विशेष रुचि रहेगी तथा इच्छानुसार आप समय समय पर रुचि पूर्वक इसका भक्षण कर के आनन्द की प्राप्ति करेंगे।

इस वर्ष में राजनैतिक रूप से प्रभाव शाली व्यक्तियों या सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से आप को आश्रय मिलेगा अर्थात् आपसे ये लोग प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे एवं समय समय पर अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। फलतः आपके सभी सांसारिक महत्व के कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। आर्थिक दृष्टि से भी आपकी आय अच्छी रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त स्त्री से भी आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा जिससे आपके मन में प्रसन्नता का भाव विद्यमान रहेगा।